खबर संक्षेप

जनगणना कार्य में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उपलब्ध कराए जाएंगे स्वास्थ्य किट

शहडोल। अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी सरोधन सिंह ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र जारी कर निर्देशित किया है कि गर्मी के मौसम में बढ़ते तापमान को दृष्टिगत रखते हुए जनगणना कार्य में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु आवश्यक स्वास्थ्य किट उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि मांग अनुसार ओ.आर.एस. का घोल एवं आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि जनगणना कार्य के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

शहडोल में 22 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत

शहडोल। जिले में बीते दो दिनों से मौसम के बदले मिजाज ने अब जान लेना शुरू कर दिया है। शनिवार शाम प्रकृति का रौद्र रूप उस समय सामने आया, जब आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक होनहार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह हृदयविदारक घटना चौकी केशवाही के अंतर्गत डोडियाटोला ग्राम में घटित हुई, जिससे पूरे क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है।

आंखों के सामने ही उजड़ गई पिता की दुनिया- मिली जानकारी के अनुसार 22 वर्षीय युवक रामकांत साहू अपने पिता सीताराम साहू के साथ बलबहरा गांव स्थित एक खेत में भूसा लेने गया था। काम के दौरान अचानक मौसम ने करवट ली और आसमान से मौत बनकर बिजली कड़की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बिजली सीधे रामकांत के ऊपर गिरी और देखते ही देखते उसका शरीर बेजान हो गया। चंद कदम पीछे चल रहे पिता ने जब अपने जवान बेटे को जमीन पर निर्जीव पड़ा देखा, तो उनकी चीखें निकल गईं।

मौत का साया है यह मौसम- घटना की सूचना पर केशवाही पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जिले में लगातार बढ़ रही बिजली गिरने की घटनाओं ने सुरक्षा प्रबंधों और जन-जागरूकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन ने जिलेवासियों को सख्त चेतावनी दी है कि गरज-चमक के समय ऊंचे पेड़ों, खलिहानों और खुले मैदानों से दूर रहें। यदि समय रहते सावधानी नहीं बरती गई, तो कुदरत का यह कहर कई और हंसते-खेलते परिवारों को उजाड़ सकता है।

मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 1 मई से प्रारंभ

शहडोल। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मध्यप्रदेश में 1 मई से 30 मई तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जा रहा है। गुरुवार को जनगणना निदेशालय भोपाल के निदेशक कार्तिकेय गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष से जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह सहित संबंधित अधिकारी बैठक में शामिल हुए। जनगणना निदेशक ने कहा कि सभी पर्यवेक्षकों को उनके सर्किल और प्रगणकों को मकान सूचीकरण ब्लॉक समय पर आवंटित किए गए। साथ ही नियुक्ति पत्र, पहचान पत्र एवं जनगणना किट का वितरण सुनिश्चित किया जाए। डिजिटल माध्यम से कार्य को गति देने के लिए एचएलओ ऐप का उपयोग किया जाएगा। सभी प्रगणकों को 3 मई तक ऐप पर लॉगिन कर कम से कम एक एंट्री सिंक करने के निर्देश दिए गए हैं। 4 मई से फील्ड कार्य प्रारंभ होगा। कार्य की प्रगति के लिए चरणबद्ध लक्ष्य तय किए गए हैं, जिसमें 5 मई तक 10 प्रतिशत, 10 मई तक 40 प्रतिशत, 15 मई तक 70 प्रतिशत और 20 मई तक 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण करना होगा। 20 से 30 मई के बीच पुनरीक्षण कार्य किया जाएगा, जिसमें बंद मकानों का पुनः सत्यापन किया जाएगा। इसके अलावा जिले और चार्ज स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएंगे, ताकि प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान मिल सके। अधिकारियों को नियमित फील्ड निरीक्षण कर कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

एमजीएम स्कूल धनपुरी के मेधावियों ने आईसीएसई परीक्षा में रचा नया इतिहास

सृजन कुमार जायसवाल ने 99 प्रतिशत अंक पाकर गाड़ा सफलता का झंडा

कोयलांचल के आंगन में बरसे मेधा के मोती संस्कार और आधुनिक शिक्षा के संगम ने धनपुरी को बनाया शिक्षा का नया सिरमौर 99.5 प्रतिशत रहा विद्यालय का परीक्षा परिणाम

शहडोल।

विद्या ददाति विनयं... के पावन ध्येय वाक्य को चरितार्थ करने वाले नगर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान, एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल, धनपुरी ने एक बार फिर अकादमिक फलक पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई), नई दिल्ली द्वारा घोषित वर्ष 2026 के परीक्षा परिणामों में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी मेधा और अप्रतिम प्रतिभा के बल पर न केवल विद्यालय और अभिभावकों का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे कोयलांचल क्षेत्र को गौरवान्वित किया है।

सफलता के शिखर पर सितारे

इस वर्ष के परीक्षा परिणाम एमजीएम स्कूल के गौरवशाली इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित किए जाएंगे। कक्षा 10वीं (आईसीएसई) में 99.5 प्रतिशत विद्यार्थियों ने सफलता अर्जित की, वहीं कक्षा 12वीं (आईएससी) के विद्यार्थियों ने भी 98 प्रतिशत परिणाम के साथ अपनी बौद्धिक श्रेष्ठता का परिचय दिया। विज्ञान संकाय में सृजन कुमार जायसवाल ने 99 प्रतिशत के अविश्वसनीय प्राप्तांकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त कर नया मील का पत्थर स्थापित किया। उनके साथ मेहुल कुमार गुप्ता (97.4 प्रतिशत) और सत्यम गुप्ता (95.6 प्रतिशत) ने क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाणिज्य संकाय में भी मेधावियों का दबदबा रहा, जहां प्रभात सिंह ने 92 प्रतिशत, अर्शी शेख ने 91.8 प्रतिशत और आसिफा निशा ने 80.6 प्रतिशत अंक अर्जित किए। कक्षा 12वीं के परिणामों में आर्यन शर्मा 95.25 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर रहे, वहीं यशिका आसवानी ने 92 प्रतिशत और मान्यता डोडानी ने 87 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी योग्यता सिद्ध की। विद्यालय के 10 विद्यार्थियों का 90 प्रतिशत से अधिक और 16 विद्यार्थियों का 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करना संस्थान की उत्कृष्ट शिक्षण पद्धति का जीवंत प्रमाण है।

भावुक क्षण और गौरवमयी अनुभव

शनिवार को विद्यालय परिसर में एक गरिमामय मेधावी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत इतनी शक्ति हमें देना दाता... प्रार्थना के साथ हुई। समारोह में सभी छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों का स्वागत तिलक लगाकर और पुष्पमाला पहनाकर किया गया। विद्यालय के प्राचार्य फादर जॉबी पीटर ने अपने संबोधन में इसे ऐतिहासिक गौरव बताया। उन्होंने कहा कि यह सफलता शिक्षकों के त्याग, विद्यार्थियों के परिश्रम और अभिभावकों के अटूट विश्वास का प्रतिफल है। इस दौरान बालक शिक्षक संघ से कैलाश शर्मा ने भी अपने विचार रखे। विद्यार्थियों ने मंच से अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे विद्यालय के अनुशासित माहौल ने उन्हें एकाग्र रहने में मदद की।

दशकों की विरासतः ज्ञान की अक्षय ज्योति

एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल मात्र एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि इस पूरे क्षेत्र की शैक्षणिक चेतना का आधार स्तंभ है। दशकों पूर्व स्थापित यह विद्यालय आज एक विशाल वटवृक्ष की भांति हजारों विद्यार्थियों का भविष्य संवार रहा है। जब इस क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विकल्प सीमित थे, तब एमजीएम ने स्थानीय बच्चों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाया। इस विद्यालय की सबसे बड़ी पहचान इसका कठोर अनुशासन और संस्कारित शिक्षा है। यहाँ के पुरातन छात्र आज देश-विदेश में उच्च पदों पर आसीन होकर संस्थान का नाम बढ़ा रहे हैं।

कोयलांचल का गौरव और शिक्षकों का समर्पण

शहडोल जिले का यह क्षेत्र अपनी खनिज संपदा के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन एमजीएम स्कूल ने इसे बौद्धिक संपदा का केंद्र बना दिया है। यहाँ के शिक्षकों ने जिस समर्पण से विद्यार्थियों को तराशा है, वह वंदनीय है। उप-प्राचार्या श्रीमती जॉर्जिया ग्रेस और उनकी टीम के कुशल प्रबंधन का ही परिणाम है कि आज स्कूल में श्रेष्ठ अंक पाने वालों की बाढ़ आ गई है। शिक्षकों ने आधुनिक पद्धतियों का उपयोग कर कठिन विषयों को सरल बनाया, जिससे ग्रामीण अंचलों की प्रतिभाएं भी महानगरों के छात्रों से आगे निकल गईं।

केवल किताबी ज्ञान नहीं, व्यक्तित्व का निर्माण

एमजीएम स्कूल की सफलता का मूल मंत्र इसकी सर्वांगीण विकास की नीति है। विद्यालय प्रबंधन का मानना है कि प्रतिभा केवल उत्तरपुस्तिका तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यहाँ शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ वाद-विवाद, संगीत और कला जैसी प्रतियोगिताओं पर समान जोर दिया जाता है। विद्यालय का विशाल खेल मैदान छात्रों को टीम भावना और नेतृत्व का प्रशिक्षण देता है। मेधावियों ने साझा किया कि खेलकूद ने उन्हें लंबी पढ़ाई के दौरान मानसिक रूप से ऊर्जावान बनाए रखा।

आधुनिक तकनीक और सामाजिक उत्तरदायित्व

आज का युग तकनीक का है और एमजीएम स्कूल ने इसे बखूबी अपनाया है। विद्यालय की सुसज्जित प्रयोगशालाओं और उन्नत शिक्षण कक्षों (स्मार्ट क्लासरूम) ने विज्ञान संकाय की ऐतिहासिक सफलता में बड़ी भूमिका निभाई है। यहाँ छात्रों को रटने के बजाय स्वयं करके सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। साथ ही, विद्यालय अपने छात्रों में सामाजिक जिम्मेदारी का भाव भी भरता है। स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण और नैतिक शिक्षा के माध्यम से यहाँ ऐसे नागरिक तैयार किए जा रहे हैं जो समाज की समस्याओं के प्रति संवेदनशील हों।

फादर जॉबी पीटर का नेतृत्व

प्राचार्य फादर जॉबी पीटर के दूरदर्शी नेतृत्व में विद्यालय ने बुनियादी ढांचे और चरित्र निर्माण में व्यापक सुधार किया है। उनका आगामी लक्ष्य एमजीएम को एक ऐसा केंद्र बनाना है जहाँ छात्र जीवन कौशल और नैतिकता की शिक्षा भी प्राप्त कर सकें। उनके विजन और टीम वर्क ने स्कूल को बेहद प्रभावी बनाया है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि यह विजयगाथा पूरे संभाग के विकास में मील का पत्थर साबित होगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए आयोजित हुआ शिविर

शहडोल।

जनजातीय कार्य विभाग के कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री जे.पी. यादव की उपस्थिति में शासकीय बालक हाईस्कूल सोहागपुर में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 59 कर्मचारियों द्वारा अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। संभागीय उपायुक्त श्री यादव ने आवेदनों की प्रत्यक्ष सुनवाई करते हुए शिविर में उपस्थित सहायक आयुक्त एवं खण्ड शिक्षा अधिकारियों को प्रत्येक समस्या के निराकरण हेतु समय-सीमा निर्धारित करने के निर्देश दिए।

प्राप्त शिकायतों में मुख्य रूप से पूर्व में जारी क्रमोन्नति एवं समयमान की एरियर राशि के भुगतान, समयमान एवं क्रमोन्नति से वंचित प्रकरण, अर्जित अवकाश भुगतान तथा अन्य स्वत्वों के निराकरण संबंधी आवेदन शामिल रहे। संभागीय उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का निराकरण कर संबंधित कर्मचारियों को वांछित लाभ प्रदान किया जाए तथा उन्हें निराकरण की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कोष एवं लेखा कार्यालय रीवा में वेतन निर्धारण संबंधी लंबित प्रकरणों की नामवार सूची प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए, ताकि समन्वय स्थापित कर शीघ्र निराकरण कराया जा सके।

शिविर में सहायक आयुक्त आनंद राय सिन्हा, सहायक संचालक जगदीश प्रसाद नापित, सहायक संचालक संजय पाण्डेय, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र तिवारी, ललित पाण्डेय, दिलीप निगम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लाड़ली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम का किया गया आयोजन

शहडोल।

जिला पंचायत सभागार में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन विधायक श्रीमती मनीषा सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में बेटियां हर क्षेत्र में अपना नाम रोशन कर रही हैं। शासन द्वारा की गई पहल आज बच्चियों के भविष्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा ने लाड़ली लक्ष्मी योजना के क्रियान्वयन की जानकारी देते हुए बताया कि लाड़ली लक्ष्मी योजना मध्य प्रदेश शासन की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य बेटियों के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना तथा उनकी शिक्षा एवं आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत 21 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर बेटी को कुल 1.43 लाख रुपये की सहायता विभिन्न किस्तों के माध्यम से शिक्षा एवं विवाह हेतु प्रदान की जाती है। इसी क्रम में बालिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से योग प्रशिक्षक शिवाकांत शुक्ला द्वारा उपस्थित बालिकाओं को योगाभ्यास कराया गया तथा योग के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही विधायक, अधिकारियों एवं लाड़ली बालिकाओं द्वारा एक पेड़ लाड़ली लक्ष्मी के नाम अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में अजय सोधिया खेल विभाग, प्रमोद विश्वकर्मा कोच खेल विभाग, श्रीमती संजीता भगत सहायक संचालक, पर्यवेक्षक, वन स्टॉप सेंटर के कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं एवं लाड़ली लक्ष्मी बालिकाएं उपस्थित रहीं।

झाड़-फूंक के शक में बुजुर्ग को उतारा मौत के घाट
कंबल में लिपटा मिला था मन्नू सिंह का क्षत-विक्षत शव

पुलिस ने तीन को किया गिरफ्तार

उमरिया।

अंधविश्वास की जकडऩ ने एक 60 वर्षीय बुजुर्ग की बलि ले ली। कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम पठारी कला (मरदर) में हुए चर्चित मन्नू सिंह हत्याकांड का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। जिसे सवा महीने तक एक रहस्यमयी मौत माना जा रहा था, वह दरअसल जादू-टोने के शक और निजी रंजिश में रची गई एक रोंगटे खड़े कर देने वाली साजिश निकली।

पत्थरों से कुचला, फिर घोंट दिया गला- बीती 20 मार्च को बंधवा नाले के पास मन्नू सिंह का लहूलुहान शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। मौके पर बिखरा खून और रक्तरंजित पत्थर कत्ल की गवाही दे रहे थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि गांव के ही तीन आरोपियों विनोद सिंह, दीनदयाल सिंह और मनोज सिंह ने मिलकर इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। 18 मार्च की रात को आरोपियों ने झाड़-फूंक के बहाने मन्नू सिंह को खेत में बुलाया और घात लगाकर उन पर डंडों से हमला कर दिया। बेदम होने के बाद निर्दयी हत्यारों ने गला दबाकर उनकी सांसें थाम दीं।

शक का भूत और साजिश के मोहरे- पुलिस की सघन पूछताछ में जो सच सामने आया, वह रूह कंपा देने वाला है। आरोपियों के सिर पर अंधविश्वास का भूत सवार था। किसी को लगता था कि मन्नू सिंह ने उन पर जादू-टोना किया है, तो कोई अपने परिजन की मौत का जिम्मेदार उन्हें मान बैठा था। इसी बेबुनियाद शक की आग में झुलसकर उन्होंने हत्या की पटकथा लिखी। साक्ष्य मिटाने के लिए शव को कंबल से ढककर नाले के पास फेंक दिया गया, ताकि यह एक प्राकृतिक मौत लगे।

खाकी की पैनी नजर से नहीं बच सके कातिल- पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी के निर्देशन और एसडीओपी पी.एस. परस्ते के नेतृत्व में थाना प्रभारी मदन लाल मरावी की टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों के जाल के जरिए इन आरोपियों को धर दबोचा। आरोपियों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है और उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया गया है। यह घटना समाज के माथे पर कलंक है, जो बताती है कि 21वीं सदी में भी अंधविश्वास का जहर मासूमों की जान ले रहा है।

शहडोल के ऋतुराज गुप्ता को राष्ट्रीय कमान

केसरवानी समाज की अखिल भारतीय समिति में बने राष्ट्रीय प्रमुख संयोजक

शहडोल।

स्थानीय प्रतिभा और नेतृत्व कौशल का सम्मान करते हुए अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य महासभा ने शहडोल के ऊर्जावान युवा नेता ऋतुराज गुप्ता पर बड़ा भरोसा जताया है। ऋतुराज की कर्तव्यनिष्ठा और समाज सेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें महासभा की राष्ट्रीय युवा जागृति, करियर परामर्श, खेलकूद एवं नेतृत्व विकास समिति का राष्ट्रीय प्रमुख संयोजक नियुक्त किया गया है।

तीन वर्ष का होगा कार्यकाल

महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सच्चिदानंद केसरी (हैदराबाद) की सहमति एवं राष्ट्रीय महामंत्री संजय केसरी (सिलिगुड़ी) की अनुशंसा पर यह महत्वपूर्ण घोषणा की गई है।

ऋतुराज गुप्ता आगामी तीन वर्षों तक राष्ट्र स्तर पर युवाओं के मार्गदर्शन और विकास की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनके साथ बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के सह-संयोजकों की भी नियुक्ति की गई है, जो इस राष्ट्रीय मिशन को गति देंगे।

नगर में हर्ष की लहर, दिग्गजों ने दी बधाई

ऋतुराज की इस उपलब्धि से पूरे शहडोल जिले और मध्य प्रदेश केसरवानी वैश्य सभा में हर्ष व्याप्त है। उनकी नियुक्ति पर संरक्षक मंडल के एडवोकेट श्रवण कुमार गुप्ता, बृजेंद्र गुप्ता, रोहिणी प्रसाद गुप्ता, जगदीश कुमार गुप्ता, राजेश गुप्ता सहित नगर सभा अध्यक्ष लक्ष्मण गुप्ता और महिला सभा अध्यक्ष श्रीमती निभा गुप्ता ने प्रसन्नता व्यक्त की है। समस्त पदाधिकारियों ने इसे समाज के लिए गौरव का क्षण बताते हुए ऋतुराज के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। ऋतुराज ने अपनी इस नियुक्ति पर राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे युवाओं के करियर और नेतृत्व विकास हेतु पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

शादी में गया था परिवार, पीछे से साफ हो गया घर

16 लाख के जेवरात ले उड़े बेखौफ बदमाश

शहडोल। जिला मुख्यालय के कोतवाली थाना अंतर्गत निगम कॉलोनी में चोरों ने एक बार फिर पुलिसिया इकबाल को ठेंगा दिखाते हुए सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने एक सूने घर का ताला चटकाकर लगभग 16 लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। यह वारदात साहू मोहल्ला निवासी रविकांत शर्मा के घर हुई, जब वे सपरिवार एक विवाह समारोह में शामिल होने बाहर गए थे।

निशाने पर सूना मकान, सुरक्षा तार-तार- बदमाशों ने बंद घर की रेकी कर मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ा और भीतर प्रवेश किया। चोरों ने अलमारियों के ताले तोडक़र वहां रखे 8 तोला सोना और करीब डेढ़ किलो चांदी पार कर दी। जब पीड़ित परिवार वापस लौटा, तो बिखरा हुआ सामान और खाली डिब्बे देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। पीड़ित रविकांत, जो एक निजी फाइनेंस कंपनी में कार्यरत हैं, ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी।

ठेंगा दिखाते चोर, सोती रही पुलिस- स्थानीय रहवासियों में इस चोरी को लेकर गहरा आक्रोश है। लोगों का सीधा आरोप है कि कोतवाली पुलिस की गश्त केवल कागजों तक सीमित है। क्षेत्र में बढ़ती चोरियों ने जनता की नींद उड़ा दी है, जबकि पुलिस पुरानी वारदातों का खुलासा करने में भी नाकाम रही है। सवाल यह उठता है कि आखिर कब तक अपराधी इसी तरह बेखौफ होकर आम आदमी की गाढ़ी कमाई लूटते रहेंगे? क्या प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है, या फिर खाकी का खौफ पूरी तरह समाप्त हो चुका है? फिलहाल, पुलिस हमेशा की तरह जांच जारी है का रटा-रटाया राग अलाप रही है।

शहडोल के डायल-112 हीरोज

रास्ता भटके 10 वर्षीय बालक को सुरक्षित परिजनों से मिलाया

शहडोल।

जिले के थाना बुढ़ार क्षेत्र में डायल-112 जवानों की संवेदनशील एवं तत्पर कार्रवाई से घर का रास्ता भटक गए 10 वर्षीय बालक को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया गया। समय पर की गई इस मानवीय पहल से बालक को सुरक्षा एवं परिवार का सान्निध्य पुनः प्राप्त हो सका।

30 अप्रैल को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल में सूचना प्राप्त हुई कि थाना बुढ़ार क्षेत्र अंतर्गत कॉलेज तिराहा के पास एक 10 वर्षीय बालक अकेला मिला है, जो घर का रास्ता भटक गया है। पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही बुढ़ार थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।

मौके पर पहुंचकर डायल-112 स्टाफ आरक्षक श्री प्रिंस अग्रवाल एवं पायलट श्री पंकज लोधी ने बालक को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया। बालक से स्नेहपूर्वक बातचीत करने पर बालक ने बताया कि वह बरतरा गांव का निवासी है। डायल-112 टीम ने तत्परता दिखाते हुए बालक के बताए स्थान के आधार पर उसके परिजनों से संपर्क स्थापित किया एवं उन्हें मौके पर बुलाया । बालक द्वारा पहचान एवं आवश्यक सत्यापन उपरांत उसे सुरक्षित परिजनों के सुपुर्द किया गया। बालक के सुरक्षित मिलने पर परिजनों द्वारा डायल-112 सेवा के प्रति आभार व्यक्त किया। डायल-112 जवानों की संवेदनशील एवं समर्पित कार्यवाही से एक मासूम बालक को सुरक्षित उसके परिवार तक पहुँचाया जा सका। डायल-112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा आमजन, विशेषकर बच्चों की सुरक्षा एवं सहायता हेतु सदैव सजग, संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है।

खबर संक्षेप

जिला चिकित्सालय अनूपपुर में एन.सी.डी. स्क्रीनिंग रक्तदान एवं नेत्र शिविर होगा आयोजित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। विश्व रेडक्रास दिवस 8 मई के अवसर पर जिला चिकित्सालय अनूपपुर में रक्तदान शिविर, नेत्र शिविर एवं एन.सी.डी. स्क्रीनिंग आयोजित की गई है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत अनूपपुर, को नोडल अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाकर विभिन्न अधिकारियों को आयोजन के सफल क्रियान्वयन के लिए दायित्व सौंपे है। विश्व रेडक्रास दिवस के अवसर पर लोगों से ज्यादा से ज्यादा रक्तदान करने तथा इस अवसर पर आयोजित नेत्र परीक्षण शिविर और एमसीडी स्क्रीनिंग का लाभ उठाने की अपील की गई है।

लाड़ली लक्ष्मी उत्सव के तहत आंगनबाड़ी में कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि लाड़ली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन वार्ड क्रमांक 20 के आंगनवाड़ी केंद्र में किया गया। कार्यक्रम में लाड़ली लक्ष्मी योजना से लाभान्वित बालिकाएं,आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं तथा विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।उत्सव के दौरान बालिकाओं के सम्मान में कन्या पूजन किया गया तथा नन्हीं बालिकाओं द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनों को बताया गया कि बालिकाओं के सम्मान में प्रतिवर्ष 2 मई को लाड़ली लक्ष्मी उत्सव मनाया जाएगा। साथ ही लोगों को जागरूक करते हुए कहा गया कि सभी बालिकाएं अपनी शिक्षा पूरी करें और कोई भी बालिका स्कूल छोड़वे वाली न हो, क्योंकि शिक्षा अधूरी रहने से उनके सामाजिक, मानसिक और आर्थिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिन्होंने सभी का मन मोह लिया।

4 मई से एडीआर सेंटर भवन में साक्षात्कार

उमरिया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि कार्यालय, लीगल एड डिफेन्स काउंसिल सिस्टम उमरिया में दिनांक 4 मई 2026 को कार्यालय सहायक, दिनांक 5 मई 2026 को रिसेप्शनिष्ट सह डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं दिनांक 6 मई 2026 को टॉयपिंग टेस्ट एवं भृत्य पद के साक्षात्कार का आयोजन दिनांकवार किया जाना है। समस्त अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि समस्त अपने-अपने दिनांक के अनुसार समय प्रातः 9 बजे कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया के ए0डी0आर0 सेंटर भवन, जिला न्यायालय परिसर उमरिया में उपस्थित होवें।

ग्राम बिझरिया में पशु पालकों को एंथ्रेक्स टीकाकरण की दी गई जानकारी

उमरिया। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं ने बताया कि पशुधन की सुरक्षा एवं संक्रामक रोगों की रोकथाम के उद्देश्य से एंथेक्स टीकाकरण अभियान चलाया गया। इस दौरान पशु चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा बिझरिया गांव में पहुंचकर पशुपालकों को एंथेक्स बीमारी के प्रति जागरूक भी किया गया। उन्हें बताया गया कि एंथेक्स एक गंभीर संक्रामक रोग है, जो पशुओं के साथ-साथ मनुष्यों में भी फैल सकता है। इसके लक्षण, बचाव के उपाय एवं समय पर टीकाकरण के महत्व की जानकारी विस्तार से दी गई।पशुपालकों को यह भी समझाया गया कि किसी भी पशु में अचानक मृत्यु, बुखार या अन्य संदिग्ध लक्षण दिखाई देने पर तुरंत पशु चिकित्सक को सूचना दें। साथ ही मृत पशु के उचित निस्तारण एवं स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

ताला जोन के प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसे रसूखदारों के वाहन

घोड़ा डेमन बाघ की निजता भंग, नियमों की धज्जियाँ उड़ीं

नाकामी छुपाने के लिए सच बोलने वालों का गला घोंटने की तैयारी में प्रबंधन
डरा-धमकाकर दबाई जा रही आवाज

उमरिया।

विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, जो कभी बाघों के निर्भीक विचरण और सख्त सुरक्षा तंत्र के लिए जाना जाता था, आज भ्रष्टाचार, लापरवाही और तानाशाही का अड्डा बन चुका है। ताला जोन से जो तस्वीरें और खबरें छनकर बाहर आई हैं, उन्होंने न केवल वन्यजीव संरक्षण के दावों की पोल खोल दी है, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यहां नियम केवल आम जनता और गरीब पर्यटकों के लिए हैं, रसूखदारों और खास फोटोग्राफरों के लिए तो पूरा कोर एरिया ही पिकनिक स्पॉट बन गया है।

मौत की खाई और बाघ का विश्राम स्थल

बीती 11 अप्रैल की सुबह, जब सूरज की पहली किरण के साथ बाघों की सुरक्षा का पहरा सख्त होना चाहिए था, तब बांधवगढ़ के कोर एरिया में नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही थी, जानकारी के अनुसार, कुछ मनचाहे गाइडों और वाहन चालकों ने चंद रुपयों की लालच और तथाकथित प्रोफेशनल फोटोग्राफी के नाम पर पर्यटकों की जान जोखिम में डाल दी। ये वाहन निर्धारित पर्यटन मार्ग की लक्ष्मण रेखा लांघकर घोड़ा डेमन नामक बाघ के उस सुरक्षित आश्रय स्थल तक जा पहुंचे, जहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता। इतना ही नहीं, बेहतर शॉट लेने की होड़ में इन वाहनों को उस दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र और गहरी खाई के मुहाने तक ले जाया गया, जहां एक छोटी सी चूक सामूहिक समाधि का कारण बन सकती थी। क्या टाइगर रिजर्व का प्रबंधन इस बात का इंतजार कर रहा है कि जब तक कोई बड़ी जनहानि न हो जाए, तब तक वे कुंभकर्णी नींद से नहीं जागेंगे।

सुरक्षा तंत्र या सफेद हाथी

सवाल यह उठता है कि जब कोर एरिया के हर मोड़ पर गश्ती दल और नाके होने का दावा किया जाता है, तो ये गाडिय़ां प्रतिबंधित रूट पर कैसे पहुंच गईं, क्या वन विभाग के मैदानी अमले ने अपनी आंखें मूंद ली थीं या फिर उन्हें ऊपर से मौन रहने का आदेश था? सूत्रों की मानें तो यह पूरा खेल कुछ चुनिंदा रसूखदार फोटोग्राफरों और प्रबंधन के चहेते गाइडों की मिलीभगत से चल रहा है। बाघों की निजता भंग करना कानून अपराध है, लेकिन यहां तो रक्षक ही भक्षक की भूमिका में नजर आ रहे हैं।

सच दिखाने पर फंसाने की धमकी

इस पूरे मामले में सबसे शर्मनाक पहलू बांधवगढ़ प्रबंधन का रवैया है। जैसे ही इस गंभीर चूक की तस्वीरें और वीडियो बाहर आए, प्रबंधन ने अपनी गलती सुधारने के बजाय सच की आवाज दबाने का पुराना हथकंडा अपनाना शुरू कर दिया है। अंदरूनी सूत्रों से खबर है कि यदि कोई स्थानीय जागरूक नागरिक, ईमानदार गाइड या निष्पक्ष पत्रकार इस धांधली के खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश करता है, तो उसे झूठे मुकदमों में फंसाने और पार्क से प्रतिबंधित करने की धमकियां दी जा रही हैं। अपनी नाकामी छुपाने के लिए बेगुनाहों को बलि का बकरा बनाना इस प्रबंधन की कार्यशैली बन चुका है। क्या टाइगर रिजर्व के अधिकारी खुद को देश के संविधान और कानून से ऊपर समझने लगे हैं।

बाघों के व्यवहार पर मंडराता खतरा

वन्यजीव विशेषज्ञों ने कड़ी चेतावनी दी है कि बाघ स्वभाव से एकांतप्रिय होते हैं। उनके विश्राम स्थलों पर इस तरह का मानवीय आक्रमण उन्हें तनावग्रस्त और आक्रामक बना रहा है। यदि बाघों के प्रजनन और प्राकृतिक व्यवहार में इसी तरह का दखल जारी रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब बांधवगढ़ में मानव-बाघ संघर्ष की ऐसी खूनी दास्तां लिखी जाएगी, जिसे संभालना प्रबंधन के बस के बाहर होगा।

मुख्य वन्यजीव संरक्षक से सीधी मांग

बाघों की सुरक्षा और पर्यटन के नाम पर चल रहे इस धंधे ने भोपाल स्थित मुख्यालय तक अपनी गूंज पहुंचा दी है। स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने भोपाल स्थित मुख्य वन्यजीव संरक्षक से मांग की है कि इस मामले की जांच बांधवगढ़ प्रबंधन के हाथों में न सौंपकर किसी स्वतंत्र एजेंसी या उच्च स्तरीय टीम से कराई जाए। यह घटना कह रही है कि बांधवगढ़ में सब कुछ ठीक नहीं है। यदि समय रहते इन सफेदपोश गुनाहगारों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो बाघों का यह स्वर्ग जल्द ही इतिहास के पन्नों में दफन हो जाएगा। अब देखना यह है कि प्रशासन अपनी साख बचाता है या भ्रष्टाचार के इस दलदल में खुद भी डूब जाता है।

रेलवे मजदूर कांग्रेस की कैडर मीटिंग संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर का संकल्प है हमारे मेहनत कश रेलवे कर्मचारियों को उनके मेहनत का जायज हक मिले इसलिए रनिंग स्टाफ, सीसीटीएस, इलेक्ट्रिक लोको शेड स्टाफ व अन्य विभागों के कर्मचारियों को 08 पे कमीशन लाभ दिलाने हेतु 31 दिसंबर 2025 के पूर्व प्रमोशन दिलाया गया, प्रमोशन प्रक्रिया को त्वरित लागू कराने में बिलासपुर मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन, वरीष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी बिलासपुर डा0 अंशुमन मिश्रा, सीनियर डीओपी बिलासपुर शशांक कोष्टा संवेदनशील अधिकारियों प्रमुख योगदान रहा, मजदूर कांग्रेस बिलासपुर का कर्तव्य है सभी प्रमोशन मिले उक्त बातें रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा शहडोल के कार्यालय 30 अप्रैल कैडर मीटिंग सभा को संबोधित करते मुख्य अतिथि मंडल समन्वयक बिलासपुर विजय अग्निहोत्री ने कही, कैडर मीटिंग सभा की अध्यक्षता कर रहे जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने कहा बिलासपुर रेल में सीनियर सेक्शन इंजीनियर कार्य में कार्यरत रेल कर्मचारियों को रिडिपलाईमेट के नियम के तहत सभी को ऑप्शन का अवसर 02 साल के संघर्ष बाद दिलाया गया, मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के नेतृत्व ट्रैक मेंटेनर पेट्रोलिंग बीट 16 किलोमीटर को 12 किलोमीटर का ऐतिहासिक निर्णय कराकर साथ ही सायकल एलाउंस का आदेश भी दिलाया गया। मजदूर कांग्रेस शाखा शहडोल के कैडर मीटिंग को संबोधित करते शहडोल शाखा सचिव बालकृष्ण बंगारी, शाखा उपाध्यक्ष सीएन सिंह, पेंड्रारोड शाखा सचिव एन हेमंत कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष हरीश सिंह, युवा नेता अनुराग तिवारी ने कहा मजदूर कांग्रेस समस्त रेल कर्मचारियों के आवासों, बिजली, पानी, रोड चिल्ड्रेन पार्क आदि जैसे विकास कार्यों करा रही है, बैठक का संचालन शहडोल शाखा के सहायक सचिव केडी मिश्रा ने किया, कैडर मीटिंग में भारी संख्या में रेलवे कर्मचारी एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

15 लाख के बजट में खेला, कमीशनखोरी की भेंट चढ़ी सरकारी राशि

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा कठार का चेक डैम

मानपुर।

भ्रष्टाचार का घुन सरकारी योजनाओं को किस कदर खोखला कर रहा है, इसका जीता-जागता प्रमाण जनपद पंचायत मानपुर की ग्राम पंचायत कठार के भरमिला में देखने को मिल रहा है। यहाँ कुशाहार नाला पर राम कमल पटेल के खेत के पास बनाया गया सीसी चेक डैम निर्माण के साथ ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। कागजों पर लाखों की लागत दिखाने वाली इस परियोजना में जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है।

15 लाख का बजट, चंद रुपयों का मसाला

चेक डैम (स्वीकृति क्रमांकः 1740001/2023/2024) के लिए 14 लाख 98 हजार 577 रुपए की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई थी। निर्माण एजेंसी और संबंधित अधिकारियों की जुगलबंदी का आलम यह है कि मौके पर मात्र ढाई से तीन लाख रुपए की निर्माण सामग्री झोंककर इतिश्री कर दी गई। घटिया स्तर के मटेरियल का उपयोग निर्माण में हुई धांधली की गवाही दे रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि अब घटिया निर्माण के सहारे पूरी राशि डकारने की फिराक में अधिकारी और ठेकेदार लगे हुए हैं।

मशीनों से हुआ अवैध निर्माण

सरकारी नियमों के अनुसार इस परियोजना में स्थानीय मजदूरों को रोजगार मुहैया कराना था, जिसके लिए हजारों श्रम दिवस तय थे, लेकिन विडंबना देखिए, निर्माण एजेंसी ने गरीब मजदूरों का हक छीनते हुए चोरी-छिपे मशीनों से काम निपटा दिया। आरोप है कि यह पूरा खेल तत्कालीन उपयंत्री प्रदीप उदाम के संरक्षण में खेला गया। जब इस संबंध में उनसे संपर्क किया गया, तो उन्होंने छुट्टी पर होने और मूल्यांकन न होने का रटा-रटाया बहाना बनाकर पल्ला झाड़ लिया।

जांच उठ रही मांग

इस खुले भ्रष्टाचार को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने जिले की संवेदनशील कलेक्टर राखी सहाय और **जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी से इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बारीकी से जांच की जाए, तो सामग्री की गुणवत्ता और मास्टर रोल में भारी अनियमितता उजागर होगी। सरकारी धन की ऐसी बंदरबांट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन को चाहिए कि तत्काल मौके का मुआयना कर दोषियों पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई करे, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या कदम उठाता है या फिर भ्रष्टाचार की यह फाइल भी फाइलों के नीचे दबा दी जाएगी।

आरोह 2026 का हुआ भव्य शुभारंभ खिलाड़ियों को मिलेगा समग्र प्रशिक्षण

उमरिया।

मध्य प्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह 2026 का शुभारंभ स्टेडियम उमरिया में किया गया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक श्री विजय भगवानी के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सीताराम के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस शिविर का विधिवत शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकी सीताराम द्वारा किया गया।

शिविर 1 से 31 मई तक संचालित होगा, जिसमें हॉकी, हैंडबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन एवं वॉलीबॉल के खिलाडिय़ों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास ही नहीं, बल्कि मानसिक मजबूती का भी आधार है। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान खेल प्रशिक्षण के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियां,नशा मुक्ति, साइबर क्राइम,मोबाइल एडिक्शन एवं देश में लागू नए कानूनों पर कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी, जिससे खिलाडिय़ों में जागरूकता बढ़ेगी।

उन्होंने बच्चों में बढ़ते मोबाइल उपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे आंखों सहित शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इसका प्रभावी समाधान खेलों में सक्रिय भागीदारी है। उन्होंने छात्रों को खेल को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।

शिविर में इस वर्ष बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण की विशेष व्यवस्था की गई है। साथ ही, खिलाडिय़ों को प्रतिदिन स्वल्पाहार एवं खेल यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। खेल विभाग द्वारा अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में खिलाडिय़ों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि इस शिविर से प्रशिक्षित कई खिलाड़ी पूर्व में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन कर चुके हैं। खिलाडिय़ों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में ऑनलाइन पंजीयन कर शिविर का लाभ उठाएं। इस अवसर पर क्रिकेट प्रशिक्षक हिमांशु यादव, हॉकी प्रशिक्षक संजय सिंह एवं प्रवीण पसेरिया, हैंडबॉल प्रशिक्षक आकाश बर्मन एवं शिवप्रताप पाल सहित खेल एवं युवा कल्याण विभाग के चरण सिंह उपस्थित रहे।

थोक सब्जी व्यापारियों के कारण सड़क पर लगता है जाम

हरिभूमि न्यूज़कोतमा।

नगर वासियों को जाम की समस्या से राहत क्यों नहीं मिल पा रही है यह नगर में अब जन चर्चा का विषय बन गया है। नगर की कोई भी गली हो लोगों को घंटो जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। नगर के वार्ड क्रमांक 4 मुखर्जी चौक से निगवानी जाने वाले रास्ते मे मुक्ति धाम के पास थोक सब्जी व्यापारियों के द्वारा सुबह 8 बजे से सब्जियों को सड़क के किनारे रख कर बिक्री की जाती है जिसके कारण सड़क पर ही दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों को खड़ा करवा दिया जाता है यहां तक की सड़क पर ही बड़े वाहनों को खड़ा करवाते हुए सब्जियां खाली करवाई जाती है जिसके कारण दोनों तरफ से आने जाने वाले वाहनों की लंबी कतार लग जाती है जिसके कारण घंटों लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ता है। प्रतिदिन सुबह 8 बजे के लगभग सब्जी दुकानदारों के द्वारा सड़क पर ही सब्जी रखते हुए बिक्री की जा रही है जिसके कारण सड़क पर दोपहिया एवं चार पहिया वाहन खड़े कर दिए जाते हैं जिसके कारण दोनों तरफ से आने जाने वाले वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। यह रास्ता मुख्य मार्ग है इसी रास्ते से होकर स्कूल अस्पताल एवं नगर पालिका कार्यालय के लिए लोगों का आना-जाना लगा रहता है सबसे बड़ी परेशानी तब होती है जब किसी इमरजेंसी मरीज को लेकर एंबुलेंस निकलती है और उसे भी जाम की समस्या से परेशानी का सामना करना पड़ता है। यह समस्या रोजाना की हो गई है। नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन से अभियान चलाते हुए करवाई करते हुए जाम की समस्या से छुटकारा दिलाए जाने की मांग की है।

डीजे के कारण हृदयाघात से पीड़ित एवं आम नागरिकों को परेशानी

कोतमा। इन दिनों शादी ब्याह का जगह-जगह आयोजन किया जा है जिसके कारण तेज आवाज मे डीजे का उपयोग किया जा रहा है जिसके कारण हृदया घात से पीड़ति एवं आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। पूर्व मे नागरिकों के द्वारा कान फोडू. डीजे तेज ध्वनि से बताये जाने पर नियंत्रण लगाये जाने की मांग की गई थी। वर्तमान मे शादी विवाह का आयोजन चल रहा है जिसमें बजते डीजे की जानलेवा तेज आवाज से समूचे नगरवासी परेशान है। नगर में मनमर्जी से डीजे का साउंड सिस्टम चलाया जा रहा है। इन आयोजनों में निर्धारित क्षमता से दुगने, तिगने साउंड सिस्टम से डीजे निकाले जा रहे है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग किया जाना चाहिए। दिनों दिन तेज डीजे का बढ़ता चलन समाज के लिए नुकसानदायक है। संचालकों को ना बुजुर्ग मरीजों के स्वास्थ्य का ख्याल, ना बच्चों हृदय घात से पीड़ति और ना ही आम नागरिकों की चिंता रहती है। डीजे पर रोक लगाए जाने के बावजूद जिला प्रशासन के आदेश की खुलकर धज्जियां उड़ती नजर आ रही है। शादी के मौके पर डीजे का जमकर प्रयोग किया जा रहा है। अधिकांश शादियों में डीजे का धड़ल्ले से उपयोग करते हुए प्रशासन के आदेश की धज्जियां उड़ाई जा रही है। डीजे पर रोक लगाए जाने के बावजूद जिला प्रशासन के आदेश की खुलकर धज्जियां उड़ती जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के निर्धारित तय मापदंड के अनुसार डीजे का उपयोग नही किया जा रहा है। इंडस्ट्रियल एरिया में दिन मे 75 रात मे 70 व्यवसायिक एरिया में दिन मे 65 रात मे 55 रिहायशी एरिया मे दिन मे 55 रात मे 45 साइलेंस जोन में दिन 50 रात में 40 डिसेवल की आवाज मे बजना चाहिए। इन दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने प्रशासन को कडाई से कार्यवाही किये जाने की मांग नागरिकों ने की है।

खबर संक्षेप

मार्ग अवरुद्ध करने पर 1 हजार रूपए का जुर्माना

कटनी। निगम प्रशासन द्वज्ञरा शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू एवं व्यवस्थित बनाए रखने हेतु खिरहनी ब्रिज के नीचे अवैध रूप से बग्घियां खड़ी कर मार्ग अवरुद्ध करने वाले संचालकों पर कार्यवाही की गई। निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे अनियंत्रित रूप से खड़ी बग्घियों के कारण आवागमन प्रभावित पाए जाने पर संबंधित बग्घी संचालकों पर 1000 रुपए का जुर्माना अधिरोपित किया गया तथा तत्काल स्थल खाली कराते हुए दोबारा इस प्रकार अतिक्रमण न करने की सख्त हिदायत दी गई। इस दौरान अतिक्रमण दस्ते के रंजीत खटीक,अजय कुशवाहा,अब्दुल नसीम और अन्य अतिक्रमण दस्ते कर्मचारियों की उपस्थिति रही। नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक उपयोग एवं शासकीय प्रयोजनों हेतु आरक्षित भूमि एवं सार्वजनिक स्थलों पर किसी प्रकार का अतिक्रमण न करें तथा शहर को व्यवस्थित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

आरक्षित शासकीय भूमि से हटाया गया अवैध कब्जा

कटनी। रविंद्र नाथ टैगोर वार्ड अंतर्गत अमरगंज क्षेत्र में एम.एस.डब्ल्यू. कचरा प्लांट पहुंच मार्ग के समीप नगर निगम स्वामित्व की भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को हटाने की कार्यवाही की गई। अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह ने बताया कि नगर पालिक निगम कटनी को अमीरगंज क्षेत्र में सूअर बाड़ा निर्माण एवं संबंधित व्यवस्थाओं हेतु भूमि आवंटित की गई है। उक्त आरक्षित शासकीय भूमि के लगभग 15 बाई 30 फुट हिस्से पर स्थानीय व्यक्ति द्वारा अनधिकृत रूप से निर्माण कार्य किए जाने की शिकायत निगम प्रशासन को प्राप्त हुई थी। शिकायत के परीक्षण उपरांत निगम प्रशासन द्वारा संबंधित व्यक्ति को पूर्व में नोटिस जारी कर स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद आदेश की अवहेलना करते हुए स्थल पर अवैध रूप से कक्ष निर्माण किया जाना पाए जाने पर अवैध निर्मित संरचना को हटाकर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि निगम की शासकीय एवं सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर किसी भी प्रकार का अनधिकृत कब्जा अथवा निर्माण स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जनगणना के महत्व की दी जानकारी, किया जागरूक

कटनी। जिले में जनगणना (मकान गणना) कार्य को लेकर कलेक्टर के निर्देश पर व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत परिषद से जुड़ी नवांकुर संस्थाओं, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों और सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएं ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रहे ।

तेज हवाओं से उड़ गये छप्पर, पेड़ धराशायी

स्लीमनाबाद। शुक्रवार को भी मौसम के मिजाज में तब्दीली नजर आई जहां तेज हवाओं के साथ धूल भरी आंधी चली व आसमान में काले बादलों की उमड़-घूमड़ और रिमझिम बारिश से मौसम सुहाना हो गया। बिजली गुल हो जाने के कारण कई घंटों तक लोग परेशान रहे। वहीं रिमझिम बारिश होने से हवाओं में नमी बन आई है जिससे लोगों ने झुलसभरी गर्मी से राहत महसूस की स्लीमनाबाद तहसील मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में शुक्रवार की शाम तेज आंधी के साथ रिमझिम बारिश हुई। जिसके कारण लोगों को गर्मी तथा उमस से कुछ पल के लिए राहत मिली और हवाओं के कारण तहसील मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में कई घंटों तक विद्युत आपूर्ति बाधित रही। बारिश होने से ग्रीष्मकालीन मूंग व उड़द की फसल को संजीवनी मिल गई।

कोयलांचल क्षेत्र में कुदरत का कहर

आंधी-तूफान से विद्युत व्यवस्था ध्वस्त, जनजीवन बेपटरी

धनपुरी पिछले दो दिनों से कोयलांचल क्षेत्र में मौसम के बदले मिजाज ने भारी तबाही मचाई है। अचानक आए भीषण आंधी-तूफान और बेमौसम बारिश ने न केवल आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया

बुढार।

बल्कि क्षेत्र की विद्युत अधोसंरचना को भी बुरी तरह झकझोर कर रख दिया है। तेज हवाओं के कारण बिजली विभाग को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। धराशायी हुए पेड़, टूटे बिजली के तार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में तूफान का असर सबसे ज्यादा बिजली की लाइनों पर देखने को मिला। कई स्थानों पर विशालकाय पेड़ और उनकी टहनियाँ बिजली के तारों पर गिर गईं, जिससे 11 KV और LT लाइनें पूरी तरह बंद हो गईं। कई जगहों पर बिजली के खंभे (पोल) उखड़ गए और तार टूटकर जमीन पर आ गिरे, जिससे घंटों तक अंधेरा छाया रहा। विद्युत अमले की मुस्तैदी से सुधरी स्थिति भारी नुकसान के बावजूद विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने युद्धस्तर पर सुधार कार्य शुरू किया।बुढार क्षेत्रः कनिष्ठ अभियंता विकास गोदूडे ने बताया कि तेज बारिश और पेड़ गिरने से कुछ समय के लिए आपूर्ति बाधित हुई थी, लेकिन टीम की तत्परता से उसे जल्द ही बहाल कर लिया गया। धनपुरी क्षेत्रः धनपुरी वितरण केंद्र के अंतर्गत कनिष्ठ अभियंता अजीत श्रीवास्तव के नेतृत्व में तकनीकी अमले ने शनिवार को उन क्षेत्रों में भी बिजली सप्लाई चालू कर दी है जहां तार और पोल टूटे हुए थे। अधिकारियों का प्रयास रंग लाया क्षेत्र के कनिष्ठ अभियंताओं ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए यह सुनिश्चित किया कि उपभोक्ताओं को लंबे समय तक अंधेरे में न रहना पड़े। शनिवार शाम तक अधिकांश प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था सुचारू कर ली गई है, जिससे स्थानीय नागरिकों ने राहत की सांस ली है।

ASI गुलाम हुसैन को पुलिस विभाग ने दी भावभीनी विदाई: कर्तव्यनिष्ठा और शांत स्वभाव की अधिकारियों ने की सराहना

बुढार।

शहडोल जिला पुलिस विभाग में अपनी लंबी और सराहनीय सेवाएं देने के बाद, सहायक उपनिरीक्षक (ASI) गुलाम हुसैन बीती 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर बुढार थाने में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जहां विभागीय रस्मों के साथ एसडीओपी विकास पांडेय,थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार,खेम सिंह पेंन्दे,उन्हें शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

अनुभवों से सीख लेने की जरूरत": SDOP विकास पाण्डेय

समारोह को संबोधित करते हुए अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (SDOP) विकास पाण्डेय ने गुलाम हुसैन के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा, "हुसैन साहब ने हमेशा शांत स्वभाव के साथ अपने दायित्वों का बखूबी निर्वहन किया है। पुलिस विभाग जैसी चुनौतीपूर्ण सेवा में रहकर निर्विवाद रहना और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देना काबिल-ए-तारीफ है। हमें उनके अनुभवों से सीख लेनी चाहिए।" उन्होंने हुसैन के बेहतर स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि भविष्य में जरूरत पड़ने पर वे विभाग को अपना मार्गदर्शन देते रहें।

अधिकारियों ने दी उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ

नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवारः बुढार थाना प्रभारी ने विदाई के क्षणों में कहा कि भले ही मेरे कार्यकाल में मेरे साथ काम करने का समय कम रहा, लेकिन श्री हुसैन ने हर निर्देश का समय पर पालन करते हुए कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया है, मैं उनके उज्ज्वल और सुखद भविष्य की कामना की।

नगर निरीक्षक खेम सिंह पेंन्देः धनपुरी थाना प्रभारी ने सेवानिवृत्त एएसआई को माल्यार्पण किया और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके योगदान को याद किया।

विभागीय परिवार रहा मौजूद

विदाई के इस भावुक क्षण में बुढार थाना, एसडीओपी कार्यालय और धनपुरी थाने के तमाम पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने गुलाम हुसैन के मृदुभाषी व्यवहार को याद करते हुए उन्हें ससम्मान विदा किया।

पुलिस द्वारा मारपीट के विरोध में कलेक्ट्रेट के सामने किया धरना प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

शहर के इंद्रा नगर में बीती 20 अप्रैल को बारात के दौरान हुई कथित पुलिस मारपीट की घटना ने अब तूल पकड़ लिया है। मामले को लेकर शुक्रवार को अजाक्स के नेतृत्व में कलेक्टर कार्यालय के बाहर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर अपना विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि बारात के दौरान पुलिसकर्मियों एवं सादे कपड़ों में मौजूद उनके सहयोगियों द्वारा बेवजह मारपीट की गई, जिससे आम नागरिकों में भय और आक्रोश का माहौल बना है। इसी के विरोध में विभिन्न सामाजिक संगठनों ने एकजुट होकर धरना दिया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

धरना-प्रदर्शन में अजाक्स, भीम आर्मी, ओबीसी महासभा, भारतीय युवा शक्ति, बिरसा मुंडा आदिवासी महासभा, जयस तथा गोंडवाना सामाजिक उत्थान समिति सहित अन्य संगठनों की सक्रिय भागीदारी रही। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

प्रदर्शन के समापन पर शाम 5 बजे संयुक्त रूप से ज्ञापन सौंपा गया जिसमें घटना की निष्पक्ष जांच, दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई तथा पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग प्रमुख रूप से शामिल रही। इस पूरे घटनाक्रम ने जिले में कानून-व्यवस्था और पुलिस की कार्यप्रणाली पर बहस छेड़ दी है, वहीं प्रशासन के सामने अब स्थिति को संतुलित करने की चुनौती खड़ी हो गई है।

प्रशिक्षण के बाद विद्यार्थियों की लिखित व मौखिक परीक्षा हुई

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

बीएससी एवं बीकॉम के छात्रों को दिया प्रशिक्षण

स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय स्लीमनाबाद में आत्मनिर्भर स्वावलंबी एवं स्वरोजगार स्थापित करने के लिए मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत विद्यार्थियों को जैविक खेती का प्रशिक्षण जैविक कृषि विशेषज्ञ रामसुख दुबे द्वारा दिया गया। इसके अंतर्गत कम लागत तकनीकी जीरो बजट फार्मिंग एवं प्राकृतिक खेती का तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया भूमि मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जैविक खेती अपनाने की सलाह दी गई।

ग्राम में उपलब्ध संसाधनों से गोबर कचरे से खाद बनाना जैविक कीटनाशकों को बनाकर फसलों में उपयोग करना जिससे बाजार पर निर्भरता कम हो भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहे भूमि में सभी पोषक तत्व एवं सूक्ष्म जीवाणु उपलब्ध रहे जिससे विष मुक्त अनाज दलहन तिलहन सब्जी का उत्पादन हो आजकल जैविक कृषि उत्पादों की मांग निरंतर बढ़ने से उनकी बिक्री से अच्छी आमदनी होगी। यह प्रशिक्षण प्रचार्या डॉक्टर सरिता पांडे केमार्गदर्शन में पाठ्यक्रम के अनुसार प्रथम द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के बीए बीएससी एवं बीकॉम के विद्यार्थियों को दिए गए जैविक खेती के प्रशिक्षण के पश्चात लिखित एवं मौखिक परीक्षा ली गई।

बाह्य परीक्षक अश्विनी कुमार गर्ग एवं आंतरिक परीक्षक रामसुख दुबे द्वारा लिखित एवं मौखिक परीक्षा ली गई परीक्षा प्रभारी एवं स्टाफ ने परीक्षा संपन्न करवाया।

अंतराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर हर्षोल्लास के साथ किया झंडा रोहण व विचार गोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज जैतहरी।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर सीटू जिला समिति अनूपपुर द्वारा जैतहरी, जमुना कोतमा, राजनगर एवं जेएमएस नार्थ प्राइवेट कोल माइंस बसखला में ध्वजारोहण एवं सभा की गई। उक्त आशय की जानकारी सीटू जिला समिति अनूपपुर के महासचिव कामरेड इन्द्र पति सिंह ने देते हुए बताया कि विश्व भर के मेहनतकशों को संकटग्रस्त नवउदारवादी पूंजीवादी व्यवस्था के तीव्र हमलों, आक्रामक साम्राज्यवादी प्रभुत्ववादी आक्रमणो के खिलाफ संघर्ष कर रहे और अपने अधिकारों, आजीविका और सम्मान की रक्षा कर रहे श्रमिकों के साथ सीटू जिला समिति अनूपपुर ने एकजुटता दिखाया है। बसखला में आयोजित सभा एवं काव्यगोष्ठी को कोयला श्रमिक संघ सीटू जेएमएस नार्थ प्राईवेट कोल माइंस उरतन उरतान बसखला शाखा के अध्यक्ष कामरेड धर्मदास ने संबोधित करते हुए कहा कि कंपनी ने मजदूरों को उनके मूल भूत सुविधाएं एवं अधिकारों से वंचित कर रखा है, उन्होंने कम्पनी प्रबंधन के शोषण नीति एवं वायदाखिलाफी से बाज़ आने एवं मजदूर किसान हितों पर काम करने की मांग किया। विचार गोष्ठी एवं काव्य गोष्ठी में उन्होंने श्रमिक के अधिकारों के लिए संघर्ष तेज करने, श्रमिक एकता मजबूत करने, पूंजीवादी और साम्राज्यवादी शोषण की खात्मा करने, शोषण विहीन समाज का निर्माण करने एवं समाजवाद की दिशा में संघर्ष को आगे बढ़ाने की अपील किया। सीटू के वरिष्ठ नेता कामरेड महेश श्रीवास्तव अपने उद्बोधन में कहा कि वैश्विक पूंजीवादी व्यवस्था मेहनतकश जनता के जीवन में गहरे संकट पैदा कर दिया है जिसके कारण जनता के सामने बेरोजगारी, असमानता और भूख दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इस संकट का बोझ श्रमिकों पर डाला जा रहा है, इसके खिलाफ दुनिया भर श्रमिक संघर्ष तेज हो रहें हैं और कई देशों ने मेहनतकश जनता की सरकार बनाने में कामयाब हुए हैं। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों का उपयोग भी मुनाफा के लिए हों रहा है, जिससे नौकरियां खत्म हों रहीं हैं और शोषण एवं लूट तीव्र गति से बढ़ रही है। सीटू नेता कामरेड जुगुल किशोर राठौर ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्रम कानूनों में बदलाव के जरिएरू 8 घंटे का कार्य दिवस, न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा, यूनियन बनाने का अधिकार इन सबको खत्म कर दिया गया है जिस कानून को बनाने में हमारे मजदूर वर्ग ने अनगिनत कुर्वानिया देकर हासिल किया था। उन्होंने कहा कि ठेका प्रणाली, गिग वर्क और असंगठित काम तेजी से बढ़ रहा है, जिससे श्रमिक लगभग आज गुलामी जैसी स्थिति में जीने को मजबूर हैं। सभा स्थल में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। काव्य गोष्ठी को कवि शिवकुमार सिंह, यासीन खान, शिवम मिश्रा, अमरेन्द्र सिंह, कैलाश पाटकर, शफी, ने मजदूर दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अपनी कविता के माध्यम से मजदूरो की दुर्दशा पर विचार व्यक्त कर उससे निपटने का तरीका बताया। माकपा जिला समिति अनूपपुर के सचिव रमेश सिंह ने मजदूर दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मजदूरों को विश्वास दिलाया कि मजदूरों की लड़ाई में माकपा अग्रणी भूमिका निभाते आ रही है एवं आगे भी निभाएंगी। कामरेड संध्या शुक्ला ने अतिथियों को धन्यवाद देते हुए सभा समापन की घोषणा की। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीटू जिला समिति अनूपपुर के अध्यक्ष कामरेड रामू यादव, कामरेड अनिल शर्मा, कामरेड आर एस यादव, कामरेड उत्तम तिवारी, कामरेड विश्वनाथ पालके, कामरेड अशोक सोनी, कामरेड प्रमोद कुमार, कामरेड राधेश्याम यादव, कामरेड यासीन, कामरेड रामकृपाल पटेल, कामरेड रामायण पटेल, कामरेड राजेश पटेल, कामरेड बिहारी, कामरेड मोतीलाल रजक के साथ-साथ सैकड़ों बसखला ठोरहा के मजदूरो ने अहम भूमिका निभाई है। तत्पश्चात मजदूर दिवस अमर रहे। मजदूर किसान एकता जिंदाबाद, नवउदारवाद मुर्दाबाद, साम्राज्यवाद मुर्दाबाद, समाजवाद जिंदाबाद के गगनभेदी नारे लगाए गए।

नगर निगम में वित्तीय वर्ष के लिए 89 लाख के लाभ का 617.05 करोड़ का बजट पेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर पालिक निगम कटनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम (वित्त एवं लेखा) नियम-2018 के आधार पर तैयार यह बजट शहर के विकास, जनसुविधाओं और राजस्व वृद्धि पर केंद्रित है। निगम ने इस वर्ष कुल 89.38 लाख रुपये के लाभ का 617.05 करोड़ का बजट तैयार किया है। जिसे आंशिक संशोधन के साथ सर्वसम्मति से अंगीकार कर लिया गया। बजट में आय और व्यय को प्रमुख रूप से चार भागों (राजस्व आय, राजस्व व्यय, पूंजीगत प्राप्ति और पूंजीगत व्यय) में विभक्त किया गया है।

616 करोड़ व्यय का अनुमान

राजस्व और पूंजीगत प्राप्ति को मिलाकर कुल 617.05 करोड़ (6170599000.00) रुपये की आय का अनुमान है। राजस्व और पूंजीगत व्यय को मिलाकर कुल 616.16 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। राजस्व आय (166.85 करोड़) में से राजस्व व्यय (153.77 करोड़) घटाने के बाद 13.08 करोड़ रुपये की बचत अनुमानित है। पूंजीगत व्यय (462.39 करोड़) के मुकाबले पूंजीगत प्राप्ति (450.20 करोड़) कम होने से 12.18 करोड़ रुपये का पूंजीगत घाटा अनुमानित है। बजट में सड़कों, जल प्रदाय और अधोसंरचना के लिए बड़ी राशि आवंटित की गई है। अमृत 1.0 और 2.0 के अंतर्गत कुल 131.20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें वाटर सप्लाई हेतु 52 करोड़ और सीवरेज कार्य हेतु 36 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

सड़क एवं नाली निर्माण कार्य

शहर में डामरीकरण के लिए 15 करोड़, सीमेंट सड़कों के लिए 14 करोड़ और नालियों के निर्माण के लिए 11 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री अधोसंरचना (चतुर्थ चरण) के लिए 8 करोड़ रुपये रखे गए हैं। शासकीय स्कूलों में सुधार हेतु शिक्षा उपकर से 6.50 करोड़ रुपये खर्च होंगे। खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेल मैदानों हेतु 2.50 करोड़ और खेल प्रतियोगिताओं के लिए बजट बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये कर दिया गया है। शहर में सुरक्षित यातायात के लिए मल्टीलेवल पार्किंग हेतु 2 करोड़ और कटनी सैंड स्टोन से प्रवेश द्वार निर्माण हेतु 3 करोड़ रुपये का प्रावधान है। बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु सौर ऊर्जा के लिए 3 करोड़ रुपये का प्रावधान है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न कार्यों के लिए 1 करोड़ रुपये रखे गए हैं। गरीबों के लिए मूलभूत सुविधाओं और विकास कार्यों हेतु 5 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। पार्क, स्विमिंग पूल और जिम निर्माण हेतु 2.50 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे।

अवैध निर्माणों में हड़कंप

तीन मौतों के बाद टूटी नींद-कोतमा में जर्जर इमारतों पर चला बुलडोजर

कोतमा नगर में चार मंजिला भवन गिरने से हुई तीन दर्दनाक मौतों के बाद आखिरकार प्रशासन हरकत में आ गया है। लंबे समय से अनदेखी का शिकार जर्जर मकानों पर अब कार्रवाई शुरू कर दी गई है। नगर पालिका और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने वार्ड क्रमांक 2 में दो खतरनाक भवनों को गिराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस कार्रवाई से अवैध और जर्जर निर्माण कराने वाले मकान मालिकों में हड़कंप मच गया है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा

।जिले के कोतमा बीच बाजार स्थित बस स्टैंड के पास हुए भीषण हादसे ने पूरे प्रशासनिक तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चार मंजिला भवन के गिरने से तीन लोगों की मौत और कई लोगों के घायल होने की घटना ने नगर पालिका की लापरवाही को उजागर कर दिया। इस हादसे के बाद जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए जिम्मेदारों पर कार्यवाही शुरू की है। जहां एक ओर भवन स्वामी और संबंधित व्यक्तियों पर मामला दर्ज किया गया, वहीं नगर पालिका के उपयंत्री वंदना अवस्थी और सहायक राजस्व निरीक्षक योगेंद्रनाथ तिवारी को निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देश पर नगर के विभिन्न वार्डों में जर्जर भवनों की पहचान कर मकान मालिकों को नोटिस जारी किए गए। चेतावनी स्वरूप इन भवनों पर बैनर चस्पा कर जल्द से जल्द उन्हें गिराने के निर्देश दिए गए। अब प्रशासन स्वयं मैदान में उतरकर कार्यवाही कर रहा है। शनिवार को नगर पालिका सीएमओ प्रदीप झारिया की मौजूदगी में वार्ड क्रमांक 2 में दो जर्जर भवनों को गिराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई, जिससे पूरे नगर में हड़कंप का माहौल है।

हादसे के बाद प्रशासन का सख्त एक्शन

कोतमा में हुए दर्दनाक हादसे के बाद प्रशासन ने तत्काल सख्ती दिखाते हुए कई अहम कदम उठाए। तीन मौतों के बाद जिला प्रशासन की नींद टूटी और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही की गई। कलेक्टर के निर्देश पर नगर पालिका के अधिकारियों को निलंबित कर यह संदेश दिया गया कि लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही भवन स्वामियों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। प्रशासन ने नगर के खतरनाक भवनों की सूची तैयार कर कार्रवाई का रोडमैप बनाया, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

जर्जर भवनों पर बुलडोजर, वार्ड 2 से शुरुआत

प्रशासन ने अपनी कार्यवाही की शुरुआत वार्ड क्रमांक 2 से की, जहां दो अत्यंत जर्जर भवनों को गिराने का कार्य शुरू किया गया। यह कार्यवाही नगर पालिका और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की जा रही है। बताया जा रहा है कि इन भवनों को मकान मालिकों ने स्वयं नहीं गिराया, जिसके बाद प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा। सुरक्षा के सभी इंतजामों के बीच इन भवनों को गिराया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि अगले तीन से चार दिनों में यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी और अन्य चिन्हित भवनों पर भी इसी तरह कार्रवाई जारी रहेगी।

हरिभूमि
मौत की गहरी खुदाई होटल बनी कब्र, तीन की मौत तीन घायल

नोटिस और चेतावनी के बाद भी नहीं जागे मालिक

नगर के एक दर्जन से अधिक जर्जर भवनों को पहले ही चिन्हित कर उनके मालिकों को नोटिस जारी किए गए थे। इन भवनों पर चेतावनी बैनर लगाकर स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि इन्हें जल्द से जल्द स्वयं गिरा लिया जाए। बावजूद इसके कई मकान मालिकों ने प्रशासन के निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया। यही कारण है कि अब प्रशासन को खुद मैदान में उतरकर कार्रवाई करनी पड़ रही है। अधिकारियों ने साफ किया है कि अगर आगे भी निर्देशों की अनदेखी की गई, तो सख्त कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ भवनों को बलपूर्वक गिराया जाएगा।

अवैध बहुमंजिला निर्माण बने खतरे की वजह

कोतमा नगर में अवैध रूप से बने बहुमंजिला भवन भी खतरे का बड़ा कारण बनते जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार नगर में दो दर्जन से अधिक पांच मंजिला या उससे ऊंची इमारतें बिना पर्याप्त अनुमति के खड़ी हैं। ये भवन न केवल नियमों का उल्लंघन कर बनाए गए हैं, बल्कि आसपास रहने वाले लोगों के लिए भी खतरा बने हुए हैं। इसके अलावा, अंडरग्राउंड निर्माण की अनुमति न होने के बावजूद 50 से ज्यादा ऐसे निर्माण किए जा चुके हैं। अब नगर पालिका इन सभी को चिन्हित कर सख्त कार्रवाई की तैयारी में है।

प्रशासन का दावा-सभी खतरनाक भवन होंगे ध्वस्त

नगर पालिका परिषद कोतमा के सीएमओ प्रदीप झारिया ने स्पष्ट किया है कि कलेक्टर के निर्देशानुसार जर्जर भवनों को गिराने की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि वार्ड क्रमांक 2 में शुरू हुई कार्रवाई को तीन से चार दिनों में पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद अन्य चिन्हित भवनों पर भी इसी तरह कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का दावा है कि नगर में कोई भी खतरनाक भवन अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक सभी जर्जर और अवैध निर्माण हट नहीं जाते।

मेघों की मेहरबानी से अमरकंटक में छाई ठंडक

तपती गर्मी से राहत पाकर पर्यटक हुए आनंदित

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में विगत तीन दिनों से जारी तेज आंधी-तूफान, गरज-चमक और रुक-रुक कर हो रही बारिश के चलते मौसम में अप्रत्याशित बदलाव देखने को मिला है। लगातार वर्षा के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। जहां पूर्व में पारा 36-37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, वहीं अब यह घटकर 31-32 डिग्री सेल्सियस के आसपास आ गया है। बारिश के बाद पूरे क्षेत्र में ठंडक घुल गई है और वातावरण अत्यंत सुहावना एवं खुशनुमा हो गया है। इस बदलते मौसम का आनंद लेने के लिए बाहर से आए पर्यटक और तीर्थयात्री खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं। 1 मई, शुक्रवार की रात लगभग 9 बजे एक बार फिर तेज आंधी-तूफान के साथ गरज-चमक और तेज बारिश का दौर करीब एक घंटे तक चला। बारिश कभी तेज तो कभी हल्की होती रही। तेज हवाओं के कारण विद्युत आपूर्ति भी बीच-बीच में बाधित होती रही। मौसम विभाग के अनुसार क्षेत्र में कम दबाव का प्रभाव बना हुआ है, जिसके चलते अनूपपुर जिले सहित अमरकंटक क्षेत्र में लगातार मौसम का यह रुख बना हुआ है। शनिवार 2 मई को भी दोपहर लगभग डेढ़ बजे से रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला जारी रहा। वर्षा के बाद चल रही ठंडी हवाओं ने वातावरण को और अधिक शीतल बना दिया। वायु की गुणवत्ता में भी सुधार दर्ज किया गया और शुद्धता स्तर लगभग 45 तक पहुंच गया, जिससे वातावरण और अधिक स्वच्छ व ताजगीभरा महसूस हुआ। बाहरी राज्यों से आए पर्यटकों ने भी इस मौसम का भरपूर आनंद लिया। बांदा जिले के बबेरू से 10 परिजनों के साथ आए उपेंद्र सिंह ने बताया कि उनके क्षेत्र में इन दिनों तापमान 46-47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और लोग भीषण गर्मी से परेशान हैं, जबकि अमरकंटक में उन्हें "जन्नत जैसा एहसास" हो रहा है। इसी तरह कानपुर से आए मिश्रा परिवार ने कहा कि अमरकंटक में उन्हें अद्भुत सुकून और शांति का अनुभव हुआ। वहीं जबलपुर के संजीवनी नगर से आए उत्तम विश्वकर्मा अपने परिवार सहित यहां के मौसम और प्राकृतिक सौंदर्य से अभिभूत नजर आए। दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं में अहमदाबाद से आए दल ने रामघाट में मां नर्मदा के पावन जल में स्नान कर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि यहां का मौसम अत्यंत सुखद है और यह अनुभव अविस्मरणीय रहेगा। कुल मिलाकर, बारिश ने जहां भीषण गर्मी से राहत दिलाई है, वहीं अमरकंटक के प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक वातावरण को और अधिक आकर्षक बना दिया है, जिससे पर्यटकों और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

हाथियों की निगरानी नाइट विजन (इंफ्रारेड ड्रोन) के माध्यम से मूवमेंट की ट्रैकिंग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर वन मंडल द्वारा विशेष रात्रिकालीन गश्त के माध्यम से ग्रामीणों को हाथियों से बचाव के व्यावहारिक तरीके की दी गई जानकारी 02 मई अनूपपुर एवं जैतहरी वन परिक्षेत्रों में हाथियों की निरंतर सक्रियता को देखते हुए वन विभाग द्वारा विशेष रात्रिकालीन गश्ती अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान वन मंडल अधिकारी और उपवन मंडल अधिकारी ने स्वयं मैदानी अमले के साथ संवेदनशील क्षेत्रों में उतरकर गश्त का नेतृत्व किया, जिससे न केवल सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हुई बल्कि मैदानी कर्मचारियों का मनोबल भी बढ़ा। सुरक्षा घेरे को और अधिक कड़ा करने के उद्देश्य से जैतहरी, राजेन्द्रग्राम, कोतमा और अमरकंटक परिक्षेत्रों की टीमों ने आपसी समन्वय स्थापित कर संयुक्त गश्त की। प्रतिकूल मौसम और भीषण तूफान जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद विभाग का अमला पूरी रात मैदानी स्तर पर मुस्तैद रहा। अभियान के दौरान हाथियों की सटीक लोकेशन और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग किया गया। नाइट विजन (इन्फ्रारेड ड्रोन) के माध्यम से हाथियों के मूवमेंट की निरंतर ट्रैकिंग की गई, जिसकी सहायता से उन्हें आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आने से समय रहते रोकने में सफलता मिली। तकनीकी निगरानी के साथ-साथ वन विभाग की टीम ने सीधे गाँवों में पहुँचकर स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित किया। ग्रामीणों को हाथियों से बचाव के व्यावहारिक तरीके समझाए गए और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति या मानव-हाथी संघर्ष को टाला जा सके। विभाग ने इस दौरान प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदनशीलता व्यक्त करते हुए यह आश्वस्त किया है कि हाथियों द्वारा किए गए नुकसान के मुआवजा दावों का निपटान मानवीय आधार पर त्वरित रूप से किया जाएगा, ताकि प्रभावितों को शीघ्र आर्थिक राहत मिल सके। जन-जागरूकता के लिए व्हाट्सएप, पोस्टर और ऑडियो संदेशों के माध्यम से भी सटीक जानकारी प्रसारित की जा रही है। विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे सतर्क रहें, रात्रि में अकेले बाहर न निकलें और हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। इस अभियान के दौरान परिक्षेत्र अधिकारी विवेक मिश्रा, शिवम कोश्ती, हरीश तिवारी एवं वीरेंद्र श्रीवास्तव सहित अन्य विभागीय अमला सक्रिय रूप से उपस्थित रहा।

अनूपपुर में वन्यजीव संकट-चीतलों की दर्दनाक मौत

गिद्ध ने तोड़ा दम, चील को मिला नया जीवन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

अनूपपुर वन क्षेत्र में बीते कुछ दिनों में वन्यजीवों से जुड़ी तीन अलग-अलग घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है। पानी की तलाश में गांव पहुंचे दो नर चीतलों की आवारा कुत्तों के हमले से मौत हो गई, वहीं बीमार हालत में मिले एक दुर्लभ गिद्ध की उपचार के दौरान मौत हो गई। हालांकि एक घायल चील को समय पर इलाज मिलने से उसे नया जीवन मिला और स्वस्थ होने के बाद जंगल में छोड़ दिया गया है। वन परिक्षेत्र में लगातार सामने आ रही वन्यजीवों की घटनाएं पर्यावरणीय असंतुलन और संसाधनों की कमी की ओर संकेत कर रही हैं। भीषण गर्मी और जंगलों में जल स्रोतों की कमी के कारण जंगली जानवर अब आबादी वाले क्षेत्रों की ओर रुख कर रहे हैं, जहां उन्हें नई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। खुटवा बीट के पटनाकला गांव में पानी की तलाश में आए दो नर चीतलों पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई है। वहीं दूसरी ओर संजयनगर क्षेत्र में बीमार हालत में मिले एक दुर्लभ प्रजाति के गिद्ध को वन विभाग और पशु चिकित्सकों द्वारा बचाने की कोशिश की गई, लेकिन चार दिन के उपचार के बाद उसने दम तोड़ दिया। इसके विपरीत एक घायल चील को समय पर उपचार मिलने से वह स्वस्थ हो गई और उसे सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ दिया गया। ये घटनाएं वन्यजीव संरक्षण की चुनौतियों और मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता को उजागर करती हैं।

पानी की तलाश में आए चीतलों की कुत्तों के हमले से मौत

खुटवा बीट के अंतर्गत पटनाकला गांव में दो नर चीतल जंगल में पानी की कमी के चलते गांव की ओर आ गए थे। रात के समय तालाबों में पानी पीने पहुंचे इन चीतलों पर आवारा

कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। कुत्तों ने उन्हें दौड़ाकर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। यह घटना जंगलों में जल संकट और बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष का स्पष्ट उदाहरण है।

दुर्लभ गिद्ध की उपचार के दौरान मौत

संजयनगर क्षेत्र में एक वयस्क गिद्ध बीमार हालत में पाया गया, जिसे वन विभाग और पशु चिकित्सकों की मदद से उपचार के लिए वन चौकी में रखा गया। चार दिनों तक लगातार इलाज के बावजूद उसकी हालत में सुधार नहीं हो सका और अंततः उसकी मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई गई है कि गिद्ध ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन किया था, जिससे उसकी स्थिति बिगड़ गई। गिद्ध जैसी विलुप्तप्राय प्रजाति की मौत पर्यावरण संतुलन के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

चील को मिला जीवनदान, स्वस्थ होने पर जंगल में छोड़ा गया

अनूपपुर नगर के वार्ड क्रमांक 11 में एक चील घायल और बेहोश हालत में मिली, जिसे स्थानीय नागरिकों और वन्यजीव संरक्षकों ने बचाया। उसे सुरक्षित स्थान पर रखकर चार दिनों तक भोजन और उपचार दिया गया। वन्यजीव संरक्षक शशिधर अग्रवाल और उनकी टीम ने लगातार देखभाल की, जिससे चील पूरी तरह स्वस्थ हो गई। स्वस्थ होने के बाद उसे छीरापटपर जंगल में बकान नदी के पास स्वतंत्र विचरण के लिए छोड़ दिया गया। यह घटना बताती है कि सामूहिक प्रयास से वन्यजीवों को बचाया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा कार्यालय अनूपपुर में आयोजित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस 01 मई हमें हमारे पूर्वजों के बलिदान से मजदूरों को मिलें अधिकारों को संभाल कर रखने व जागरूक रहने की प्रेरणा देता है। एनएफआईआर राष्ट्रीय महामंत्री डा० एम राघवैया व मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण का निर्देश है की रेलवे कर्मचारियों के साथ रेल क्षेत्र से असंगठित मजदूरों को शोषण से मुक्ति दिलाते हुए उन्हें आर्थिक, चिकित्सा, समाजिक व पूर्ण अधिकार दिलाना है, उक्त बातें साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर द्वारा 01 मई अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर शाखा कार्यालय अनूपपुर में आयोजित ष्मजदूर एकता, अधिकार, सम्मान संगोष्ठी सभा को संबोधित करते हुए रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल कार्यकारी अध्यक्ष व

सीआईसी प्रभारी लक्ष्मण राव ने कही। मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर के शाखा सचिव जयंतो दासगुप्ता ने बताया की बिलासपुर मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के निर्देश व सीआईसी प्रभारी लक्ष्मण राव के मार्गदर्शन में मजदूर दिवस पर यह संगोष्ठी का आयोजन किया गया, इस अवसर पर रेलवे क्षेत्र में कार्यरत महिला कुली, महिला सफाई कर्मचारी को मजदूर नेता लक्ष्मण द्वारा सभी महिलाओं को अपनी ओर से साड़ियां व पुरुष कुली, पुरुष सफाई कर्मचारी, सभी विभागों रेल कर्मचारियों को साफा भेंटकर सम्मानित किया गया, संगोष्ठी सभा में वरीष्ठ पत्रकार अरविंद बियाणी, मुख्य स्टेशन अधीक्षक अनूपपुर एमपी शर्मा, स्वास्थ्य निरीक्षक अनूपपुर नरेन्द्र मीणा, एसके कोरी, सफाई कामगार यूनियन नेता अजय चौधरी, युवा नेता किशन द्विवेदी, रविकांत राय, मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर के पदाधिकारी विवेक राय, सदाशिव पाण्डेय, एस संजीव राव, मौमिता मजूमदार, जी सुर्याराव, मुकेश यदुवंशी, कार्यालय प्रभारी जी सुर्याराव आदि ने संबोधित किया। मजदूर दिवस कार्यक्रम में रेलवे कर्मचारी एवं रेल क्षेत्र के असंगठित सफाई कर्मचारी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

राजनगर क्षेत्र में हवा, बारिश होते ही घंटों गायब रहती है लाइट

हरिभूमि न्यूज राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र में अभी भी कालरी कॉलोनी के निवासियों को तथा नगर वासियों को कालरी के ही लाइट पर निर्भरता रहती है। एमपीईबी के द्वारा राजनगर तथा आसपास के कोल माइंसों को बिजली प्रदान की जाती है। परंतु एमपीईबी की स्थिति इस समय बड़ी दयनीय है। जब कभी थोड़ी भी हवा, बारिश चलती है। तो कई घंटों के लिये बिजली चली जाती जाती है। ऐसा नहीं कि केवल राजनगर क्षेत्र के कोल माइंसों में यह हाल है, बल्की ग्रामीण क्षेत्र सेमरा, आमाडांड, बरतराई, पिपरहा, फुलवारी टोला क्षेत्रों में भी यही हाल है। जिससे एमपीईबी की पोल खुल जाती है। भारी मेंटेनेंस के नाम पर आए दिन कटौती, करने के बाद भी हाल जस के तश है, जिसके कारण राजनगर क्षेत्र की कोयला खदानों का उत्पादन ठप हो जाता है। और नुकसान होता है। जिसमें एक प्रमुख कारण कालरी के द्वारा रेलवे रैक से कोयला डिस्पैच में लाखों रुपए का डेमरेज रेल्वे को देना पड़ता है। जिससे कोयला कंपनी को बहुत बड़ा नुकसान होता है। एमपीईबी विभाग का मेंटेनेंस काफी सुस्त है। जिसके कारण क्षेत्र में आए दिन लाइट घंटों गायब रहती है।

अमरकंटक में गूंजा "विश्व रूप दर्शन योग"

तीन दिवसीय आध्यात्मिक विज्ञान सम्मेलन संत समागम का भव्य शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

बुद्ध पूर्णिमा (118वां अवतार दिवस) के पावन अवसर पर तीन दिवसीय आध्यात्मिक विज्ञान सम्मेलन एवं संत समागम का भव्य शुभारंभ 1 मई शुक्रवार (वैशाख पूर्णिमा) से हुआ। यह दिव्य आयोजन 3 मई रविवार तक चलेगा। तपश्चर्या भूमि दिव्य दृष्टि आविष्कार केंद्र, अमरकंटक द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में विश्व रूप दर्शन योग के माध्यम से आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत प्रसार किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन परम पूज्य जगतगुरु स्वामी उमाशंकर चौतन्य, संचालक केंद्रीय आध्यात्मिक विज्ञान शाला, ओंकारेश्वर के सान्निध्य में हो रहा है। इस आध्यात्मिक आयोजन में देश के विभिन्न प्रांतों से लगभग 5 सौ से अधिक संत, महात्मा, आचार्य एवं साधक उपस्थित होकर इसे भव्यता प्रदान कर रहे हैं। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य मानव मात्र में प्रेम, समता, न्याय, एकता एवं "वसुधैव कुटुंबकम" की भावना जागृत करना तथा "सर्वभूत हिते रताः" के आदर्श को जीवन में उतारना है। सम्मेलन के अंतर्गत प्रतिदिन प्रातः 7 से 8 बजे तक सामूहिक सर्वांग योग एवं शंका समाधान

सत्र आयोजित हो रहा है। वहीं प्रातः 9 से 11 बजे तथा सायं 3 से 7 बजे तक परम पूज्य स्वामी उमाशंकर चौतन्य महाराज द्वारा गूढ़ आध्यात्मिक उपदेश दिए जा रहे हैं, जिनका लाभ बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्राप्त कर रहे हैं। अपने प्रवचनों में स्वामी जी ने रामायण की चौपाइयों का उल्लेख करते हुए भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों के माध्यम से आत्म-परिचय और ईश्वर से जुड़ाव की महत्ता को समझाया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के दो परिचय होते हैंकृएक सांसारिक, जो माता-पिता और गुरु से प्राप्त होता है, और दूसरा आध्यात्मिक, जो ईश्वर से प्राप्त होता है। उन्होंने "ईश्वर अंश जीव अविनाशी" के सिद्धांत को स्पष्ट करते हुए बताया कि मानव जीवन का उद्देश्य अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानना है। साथ ही उन्होंने चेताया कि "गुरु से कपट, मित्र से चोरी" जैसे दोष मनुष्य के पतन का कारण बनते हैं और व्यक्ति को कष्टमय जीवन की ओर ले जाते हैं। सम्मेलन के प्रथम दिवस से ही अमरकंटक में आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति का वातावरण निर्मित हो गया है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर ज्ञान, योग और साधना के माध्यम से आत्मिक उन्नति का लाभ ले रहे हैं। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बना हुआ है, बल्कि मानवता को एकता और सद्भाव का संदेश भी दे रहा है।